CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

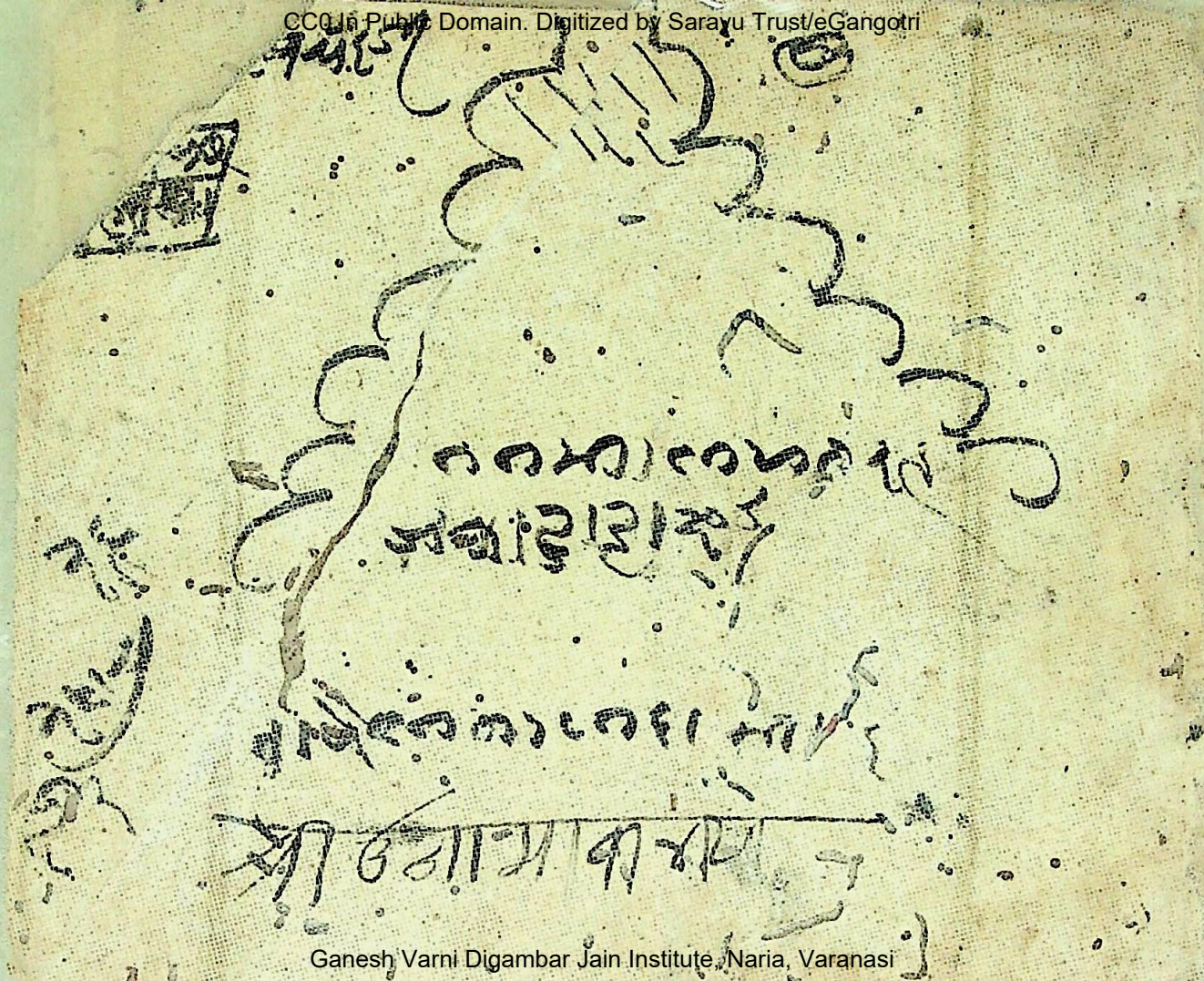

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

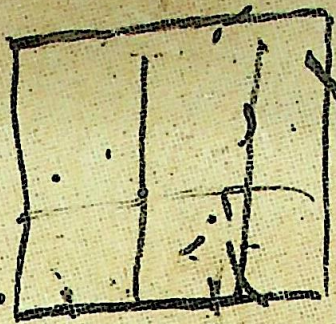

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

॥ अथ पंचपरमेष्ठीनमस्कार ॥ नीरष्ठौतीर्थंकरभए
जगतजनेसुरमोन ॥ चंद्रकलावपरोलहै ॥ प्रीतीसे
करतोभए ॥ इष्टमालभेसारदा ॥ मनलालितकीर
तपरताय ॥ थीत्थमालसुरावनी ॥ सोनेचलचं
देवनासै ॥ २ ॥ मदस्त्रवीरपचास ॥ सुनोभवप
रीतमलागेपुद ॥ असाढौगरकेप्रतापम्पदीदे
रीजोन ॥ नौमूरखदेइनदोनैकरजा ॥ उनैनरमूस
गकरनदैमान ॥ पद्मप्रभुजीपजनेसुरमल्ल
धनपरजनभयकरौकरलौ ॥ लौनागिरसंदौर
नवंदनसौ ॥ ४ ॥ श्रीसांतीपैरजतहौगरमेल ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

तौरहियांनि वंदावरनी दीनानाथ ॥ गईछधरंगी
नैमी दुरपास ॥ जलमाभारिवाले त्रिभंगकीधार
रची विसुकर्मचावापुरीजांन ॥ चावापुरीवैदेदिरज
भगवांन ॥ चौवीसी केडाकुरु श्रीवृहमान ॥ १० ॥
तोसेतरंजागेवरनी नमस्व ॥ जरुसाधीदुरव
गईहैत्रांन ॥ तौकेसवलभइविरजैदेवीर ॥ च
डैभुंगीतुंगीकैपंचसरीर ॥ ११ ॥ मुंगीतुंगीकीमारु
मावरनी नमस्व ॥ मुनीश्वरकोटनवाबजनाथ ॥
टनपरुगमध्यकहैंदरसो ॥ तौनामिनदेवेन
नमस्तौ ॥ तौनगचंपापुरीपुरवेस ॥ जेहप्रत्यख
पकधर्मनरेस ॥ तौधर्मनरेसकी कीरतनाथ ॥ दरसो

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

रहिवैतस्वंती कलीरह फेर ॥ श्रीसीतजनेसुरकौ
परताप ॥ परसभवनहैजनमभुक्षजाय ॥ ५ ॥ वि
द्यावनस्वादिवालेश्रनूप ॥ कलीरहौरेषतलाग
तभूष ॥ कलीरहौरैठठकेचकोश्रांम ॥ कलीनग
नाथमनोहरस्वांमि ॥ नगसीपुरवंदौश्रीपारसना
थ ॥ हरीविघटंमतसागरस्वाथ ॥ तौमतसागरनेड
चौकरौरीत ॥ तुनौभवमगसींदिमानयहीपर
तीत ॥ ७ ॥ रेनलजनश्रषारतजाय ॥ ठानेषु
रवंदौश्रीपारसनाथ ॥ तौसमदाविजैतिवरिद्य
कुमार ॥ तौकंकनटेम्चठेगसनेर ॥ तौनैसीच
ठेगसनैरकेतुंद ॥ स्वांविधुनादेवीराजुलसंग

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri



॥ तौ धर्मनरेस कुमेकुलवाल ॥ कौनेहीनेहु कुल
कौनदीनेलेंकेवार ॥ कहेकुलवालसुनौमहाराज
नलिनीकौहुकुम नैदीनेंहैकिवार ॥ १७ ॥ तौकाहू
तीकोपरिहैसतय ॥ वेंपुरिलागेहैचनुकिवार
कहैधरमनरेस ॥ तौजोन्हकौपाऊँन
लावैकुलाउ ॥ १८ ॥ ऐसौकुलवालपहोचौवहीठा
नगरैवैठेंपाउनगोनवीराउ ॥ पुनौजोगीन
कीमेंरीसुनाव ॥ भूमद्रुपकरेतुमधर्मनरेस ॥ १९
ऐसौजोगीलकोपोंहचौवहीठाम ॥ जोवैठेहैराजा
धर्मनरेस ॥ दीनोआसीर्वादभलीदेखोबात ॥ नौ
ओरनरकैलिएहैचुलाउ ॥ २० ॥ तौजोगीकीमाइ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

धिधर्म थेरिरु सास ॥ २३ ॥ तहो इस्तवंतो को
सीलन्नगार ॥ थैमासमुनीसुरलैश्चालार ॥ नौको
रिनवीच आएमुनराज ॥ सबोधिजोनतराजक
मार ॥ २८ ॥ तोंचरनवारालिएमुनराज ॥ सबैसे
धेसज्जसहेडाकेपास ॥ तौन्नजुलमोचलिएमु
नराज ॥ निरंतनवानीजभोजिएमाम ॥ ३० ॥ त्रिये
निधतोलचलेमुनराज ॥ महाव्रतधवनबोलीऐक
नार ॥ तौसर्वमुनीनबोलनबोलीनार ॥ चलेमुन
राजनौकर्दीविचार ॥ थैमालोकीनिद्रापुरभरे
पाय ॥ चंपापुरीआगेहैवज्रकेवार ॥ तौनगएदेह
सेहरघरीहैपकार ॥ सुनोधर्मनरेसजहीरेमोभांत

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri



Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

कहै एक बात ॥ तौ कौन कारज जेम सैगो ॥ बार ॥ री
जैसे हार दीन भली देखो बात ॥ तौ हाते पैहा चे ही ऐसि
नसार ॥ तौ जौ कुनबु लैचं पापुरी कोरे बार ॥ २ ॥ क
है धरम नरेस बु तौ मेरो राज ॥ तौ मु दगल दायी कौदे
मु कए ॥ तौ नगरी कौ रोग मिटै तत काल ॥ २ ॥ तौ जां
गै कौल चीवा जनदेइ ॥ तौ चीथे कौहा चीज रा सरजा
३ ॥ तौ बारमा रैजो नुसदारो दैगृद ॥ तौ जौ कुनदेइ हा
चीजागे चोज ॥ २ ॥ पुनचारो कौला ऐनदे करए ॥
तौ नगरी कौ रोग मिटै तत काल ॥ पुनचारो कौहा चरचै
चाप जाए ॥ तौ मैनजु हारी होपसेष जाए ॥ २ ॥ क
गनचनचा इकै चेजन्मा इ ॥ तौ नगरी कौ रोग मिटै तत

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri



अनंतानंतसार ॥ ३५ ॥ अरनलजन्मत्रयारथना
३ ॥ जनेकुरवंशौमीपारसनाथ ॥ इनीचंपापुरीतं
पूरनंथमाथे ॥ कथोक्तमतनातेनेथने ॥ प्रथ
मजनैकुरवरन३ ॥ मागोऐकप्रसारजी ॥ शाउर्दरद्
हैनानेवहौ ॥ सुनोभयाचैनलाइजी ॥ कर्मभहोन
लावरनजंबूदीपकीसीधेहै ॥ भर्थेक्षेत्रसुवत्स
जी ॥ श्रजचांडभआरमी ॥ नपुरनगरनिधनजं
पियोगजिरजाजहे ॥ जादोवंसनुथरजी ॥ धं
जयसेनाहुवैजले ॥ स्वर्गतसुखरजी ॥ विश्वा
नाथिसेनाजहो ॥ सबसौकीरतसनेरजी ॥ जोति
चिनुभोनाथ ॥ तीर्थसभोनतासीरेहजी ॥ ऐक

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0 In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मैं नेरसा मित्त परजाए ॥ २९ ॥ कौरकुरु धर्म धरी न
ग्रीसराय ॥ तो नगर समा पुरे धर्म नरेस ॥ चंपापुरी
दुडीमे लीनही देस ॥ गरेडारे कैहा ॥ राहै नेपाइ
चैनै धर्मनरेसल होइ ॥ तो पास ॥ ३० ॥ सहो इ। कल्ल
कै करो वैरा माइ ॥ कौरे पुरु कर्म धरी नहीं सराप
सहो इ। जिनेसुरलाग न पाय ॥ नेरंतन चोनी जपो
जेप माल ॥ तीरथ माइ ॥ जनेसुरलाल ॥ तो सोढा
कौपार धरो कुल माल ॥ ३१ ॥ कवो त्या मोसुनच
नी भरो नीर ॥ तो सी चौहै नीर जे बुन्दे हैं कि चार ॥ स
होइ। कौसील राघो भग वान ॥ सहोइ। धर्मी नैरो सि
खसार ॥ तो नगर नाग पुर बडो परवार ॥ तो मालदे भ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

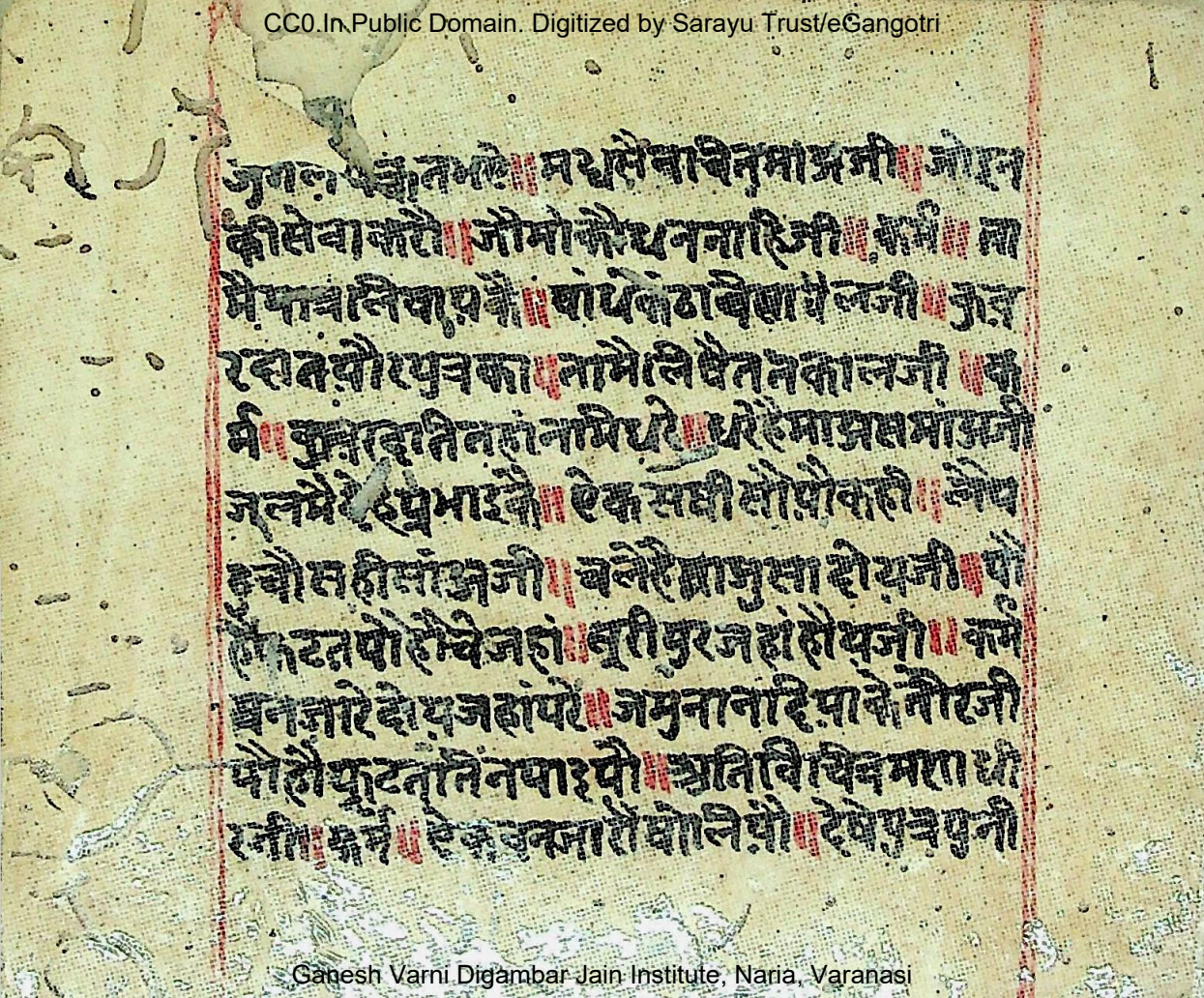

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मैसक्षवुवंनचले कीलानानेवसंतजी ॥ कर्म
धनपतिनेदेषीजवै नधसैनसुषवंतजी ॥ देषन
हीचित्तचुवरहो जैसैचामकीलोहजी ॥ चिटापिट
उपजीचित्तमे पोहोजुलामोवोहोनेहजी ॥
कर्म नीदभूंषसतवपरहो मितादिनलाहोचैन
जी ॥ लैकैनाज्ञाजेप कैचैतजी ॥ कर्म करतामुजे
मानजी ॥ कर्म करउपाउपहुचीजहां जहांवि
स्वावोहीवोमजी ॥ सुषवैलसौचातिनात कौ
कोमकालाचैनमाहिजी ॥ कर्मे सुषवैलसौउ
पजौतवै गर्भवंतकोत्रासजी ॥ भएहैजुगजुगो
पौ तासकौ जववीतेदसमासजी ॥ कर्म देष

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

नजी ॥ लैसुत त्रजी कौदई ॥ गारे मंगलगीतजी ॥
कर्म ॥ वनज्यौहरषत भयौ ॥ मनकेकोदै कलेश
जी ॥ हरीवरपुत्री कौलई ॥ चलैहैं ब्रह्मनैसजी
कर्म ॥ देषतसुतचिंता भई ॥ कीजैइनकौव्याहजी
पूरवदातुवरदेषकै ॥ सबकौनपजौचाउजी ॥ क
र्म ॥ कैपौत्रआइत्रातिहर्षसौ ॥ पूजेश्रीनसंतजी
पूजाकरिमनिवांछितौ ॥ वंदेश्रीगुरपाउजी ॥ कर्म
॥ वरविवनभूतिदेषिकै ॥ लीसधुनौसतभाउजी
॥ लाहिनमैदेषौजवै ॥ पूछेश्रौसरपाइजी ॥ कर्म
॥ पुनहौलीसकैपौइस यौ ॥ हमरेमंगलगीतजी ॥ ह
मरेसुखमेदुखभयौ ॥ कहौकाहात्रनरीतजी ॥ कर्म ॥

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

जननी की करौ जब पौहचो नंद गावजी सब
धीरज नैक धरौ प्रांकौ दिपौहै उपाइजी
चौदौं विद्या नद स्यानदी सरेस कलमन काज
जीव कर्म इतनी कथा जाकौं रती ब्रह्मकुमार द
नेकौ भेदजी कहौं सुनौ तुम चित दै कर्म कौ दै
जीतै कैसे जी पुत्र हीन कौ दुख यासु नौ । कहतौ
धरकै पुत्र को भजौ वीर हौवै कन्है सौ कर्म पु
नै कौ कर्म नेत्र कर्म जी कर्म चले चले पहुचे मथु
रा नगर मझारजी विस्राम दयौ राजा जरा
जल धोतौ चेलती सांझजी दियौ दरस व भोग
यौ नर गये कछु कालजी पुत्र एक तासौ भयौ

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

मैं दोहरा भाई कहौं कै पुत्र तें नाम देवरजान
पुनौमनीजे नांउ ले नाम कहै चवान राजपरज
मारुकीदार हालरोहलराजै विरोल्लारोहालरो
हेलराउरे कोमीजारजागै भुलियां क्यौकरस
मुजाउरे विरोल्लारोंहालरोहलराउरे मोमान
सुतनूंमयौ सुनमेरेभाइरे भाइलागै नाथकौ
कोचालुबदाइरे टेक सांईसुतनूंपुत्रहै मनीरोवै
लालारे भाईलागै नाहकौमोदेवरवालारे टे
कमेरेसुतकौपुत्रतमतरोवैनातीरे सुनोरे भा
लीजेलाइलै भारतनजातीरे टेक नामेसुनै
कैसोचलीमथसैनाभाइरे जाइरिसीनीनासः

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri



भाईसुनिदौवान लांईनुमहमरेत्नागौहो हमनु
मच्याईसत्व कर्ममहावलीहो सुनपिप्रचनरे
वृजांन मपवुवादादेलगौदौ सासुधातेसुन
लोश सुनरहमारेतमलगौहो नातेसुनेडुमते
श केर्म नातेदिनातुमसौकलौहो सौमाकेजा
दैपुत जैनातेतुमसौत्नगौहो जानेभरीहेकुरु
ग मैनातेसनैकैभेभरीहो देखोपात्रविचार
दि धामानाजानकैहो धूनिकदेसिनसार के
र्म कवधवेतमुनपृथैरीहो पिछनैसिरतेल
सुनकरपुनदेस्थालईहो भरेनजमुनसेत
कर्मनुपकरैपेल्लेतुमैहो भोलेचेतीनोई

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

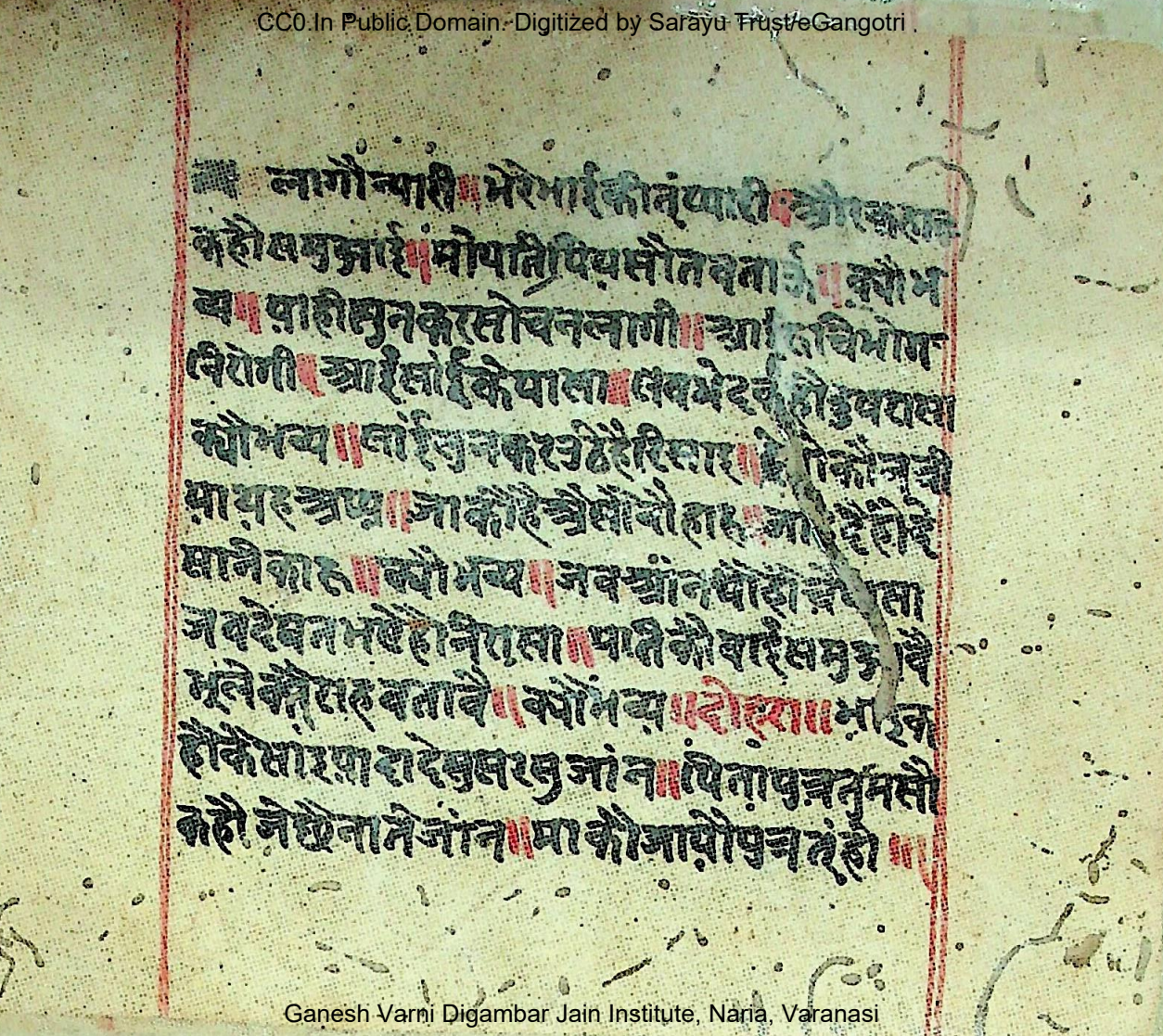

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Rublic Domain. Digitized by Sarayu TrustVeGangotri

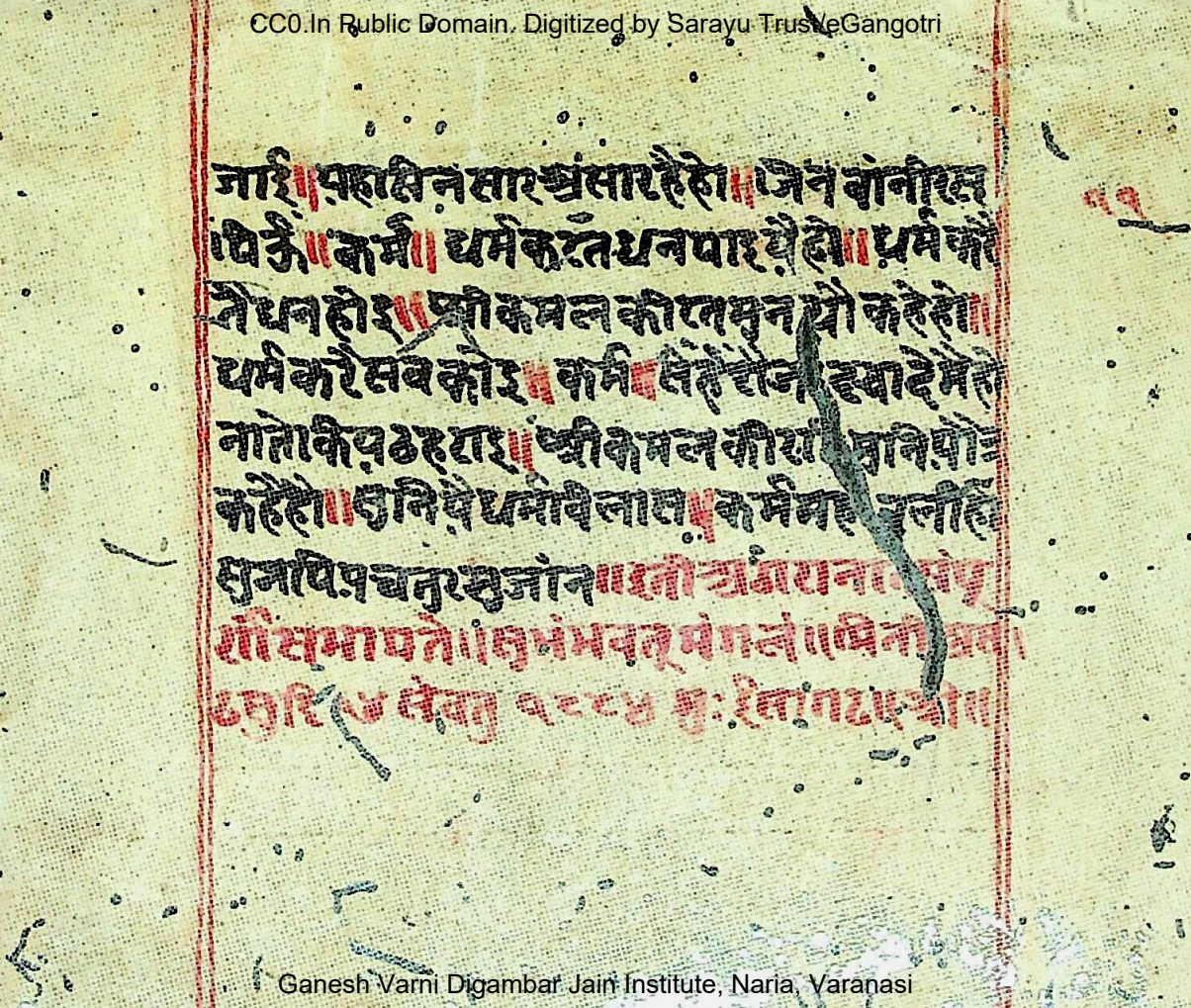

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi

CC0.In Public Domain. Digitized by Sarayu Trust/eGangotri

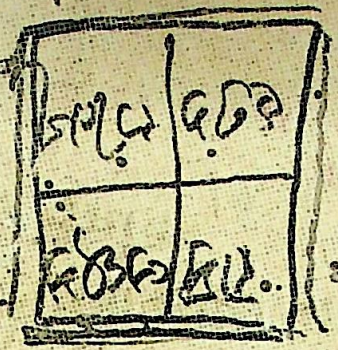

Ganesh Varni Digambar Jain Institute, Naria, Varanasi